ISSN - 2229-3620
UGC CARE LISTED JOURNAL
AIS
शोध संचार बुलेटिन
January-March, 2021
Vol. 11, Issue 41
Page Nos. 87-91
AN INTERNATIONAL BILINGUAL PEER REVIEWED REFEREED RESEARCH JOURNAL

सामाजिक जागरूकता के प्रसार में वेब मीडिया की भूमिका

विकाश कुमार*
डॉ0 अंजनी कुमार झा**

शोध सारांश

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व विकास ने भारत के साथ–साथ वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना करने एवं संचार तथा सूचना क्रांति के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाई है। संचार की दुनिया में मुख्यधारा की मीडिया के साथ वेब मीडिया के रूप में एक ऐसा माध्यम सामने आया है जिसने सही मायनों में 'विश्वग्राम' की संकल्पना को सच कर दिखाया है। किन्तु क्रांति के इस दौर में सूचनाओं तथा जानकारियों के प्रसार के साथ–साथ प्रोपेगैंडा, फेक न्यूज तथा मिथ्या प्रचार के मामलों में भी बढ़ोतरी हो रही है। आज मुख्यधारा की मीडिया के साथ–साथ वेब मीडिया भी अपने समाचारों, रिपोर्ट, सम–सामयिक लेख आदि के माध्यम से समाज को शिक्षित तथा जागरूक करने में प्रयासरत है। इस शोध पत्र के माध्यम से सामाजिक जागरूकता के विविध आयामों में वेब मीडिया की भूमिका का विभिन्न दृष्टिकोणों के माध्यम से अध्ययन और विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है।

Keywords : वेब मीडिया, समाज, जागरूकता, मीडिया साक्षरता, सोशल मीडिया

प्रस्तावना–

वर्तमान समय सूचना तथा संचार के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तनों का समय है जिसने न सिर्फ मीडिया की विषय–वस्तु, भाषा तथा प्रस्तुति को बदला है बल्कि, पूंजी तथा राजस्व के स्तर पर भी इसके फलक को विस्तार दिया है। आज जनसंचार के नए–नए माध्यमों ने मानव जीवन में सृजनात्मक, विविधतापूर्ण तथा सकारात्मक हस्तक्षेप किया है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक से आगे बढ़ते हुए जनमाध्यमों के विकास का सफर आज इंटरनेट, स्मार्टफोन, टेबलेट तथा कृत्रिम बुद्धिमता से युक्त वेब मीडिया तक आ पहुंचा है। इंटरनेट तथा नई तकनीक के आगमन ने मुख्यधारा के मीडिया को डिजिटल स्वरूप प्रदान कर जनसंचार और पत्रकारिता के नए युग की शुरुआत की है जिसमें दिन–प्रतिदिन प्रगति हो रही है। वेब मीडिया की कुछ विशेषताएं हैं जो इसे मुख्यधारा की मीडिया की तुलना में विशिष्ट बनाती हैं जैसे– यहां समाचार, विचार, फीचर लेख, चित्र, कार्टून तथा ऑडियो–वीडियो सामग्री एक ही ऑनलाइन मंच पर उपलब्ध होती है जिसे पूरी दुनिया में कहीं से और कभी भी सिर्फ एक 'क्लिक' या 'टच' के माध्यम से पढ़ा, सुना और देखा जा सकता है। साथ–साथ यहां 'फीडबैक' तथा 'कमेंट' की सुविधा भी मौजूद जिसकी सहायता से उस अंतर्वस्तु पर पाठक, श्रोता तथा दर्शक अपनी त्वरित प्रतिक्रिया भी दर्ज करा सकते हैं।

1995 में भारत में इंटरनेट की शुरुआत के साथ ही 'द हिंदू' ने भारत का पहला ऑनलाइन समाचारपत्र होने का गौरव प्राप्त किया। इसके बाद 23 सितंबर 1999 को हिन्दी वेब पोर्टल 'वेबदुनिया डॉट कॉम' शुरु हुआ जो दुनिया का पहला हिंदी पोर्टल होने का दावा करता है। मल्टीमीडिया और मीडिया कन्वर्जेन्स जैसी तकनीक से जुड़ा वेब मीडिया आज मानव जीवन के दैनिक क्रियाकलापों का एक जरुरी तथा अहम हिस्सा बन गया है। आज इंटरनेट तथा इससे संचालित उपकरणों की सहायता से वेबसाइट, वेब पोर्टल, सोशल मीडिया (व्हाट्सऐप्प, फेसबुक, ट्विटर, लिंक्डइन, इंस्टाग्राम, क्लबहाउस आदि), अकाउंट, पेज, ग्रुप, ब्लॉग, चैनल इत्यादि के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक आदि गतिविधियों का संचालन करते हुए सूचनाओं का आदान–प्रदान हो रहा है।

आज एक तरफ वेब मीडिया के द्वारा फेसबुक, व्हाट्सऐप्प, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसे सोशल नेटवर्किंग साइट्स, ब्लॉग्स, वेबसाइट्स, वेब पोर्टल आदि के जरिये किसी व्यक्ति, संस्था, समुदाय, लिंग, जाति, धर्म आदि की छवि बनाने व बिगाड़ने का काम तो किया जा रहा है, साथ ही सांप्रदायिकता, मानहानि, निजता का उलंघन तथा साइबर क्राइम जैसे कई नकारात्मक कार्यों को सुनियोजित तथा योजनाबद्ध तरीके से व्यापक स्तर पर अंजाम दिया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ वेब मीडिया

*पीएच.डी. शोधार्थी (मीडिया अध्ययन विभाग) महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
**एसोसिएट प्रोफेसर (मीडिया अध्ययन विभाग) महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार

Scanned with CamScanner